ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता।
सद्गुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता॥
जय जय सरस्वती माता॥

चंद्रवदनि पद्मासिनी, द्युति मंगलकारी।
सोहें शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी ॥
जय जय सरस्वती माता॥

बाएं कर में वीणा, दाएं कर में माला।
शीश मुकुट मणी सोहें, गल मोतियन माला ॥
जय जय सरस्वती माता॥

देवी शरण जो आएं, उनका उद्धार किया।
पैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया ॥
जय जय सरस्वती माता॥

विद्या ज्ञान प्रदायिनी, ज्ञान प्रकाश भरो।
मोह, अज्ञान, तिमिर का जग से नाश करो ॥
जय जय सरस्वती माता॥

धूप, दीप, फल, मेवा मां स्वीकार करो।
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो ॥
जय जय सरस्वती माता॥

मां सरस्वती की आरती जो कोई जन गावें।
हितकारी, सुखकारी, ज्ञान भक्ती पावें ॥
जय जय सरस्वती माता॥

जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता।
सद्गुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता॥
जय जय सरस्वती माता॥

ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ।
सद्‌गुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता॥
जय जय सरस्वती माता॥